



आरएबीएलसी, छत्तीसगढ़ के छात्रों के को दौरे की रिपोर्ट Report on visit of students of RABLC, Chhattisgarh

कृषि स्नातक (ऑनर्स) कृषि एवं अनुसंधान स्टेशन, छत्तीसगढ़ के रानी आवंती बाई कृषि महाविद्यालय एवं आनुसंधान क्षेत्र लोधी, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, छुईखदान, छत्तीसगढ़ के 27 छात्रों ने 18 जून, 2025 को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में शैक्षणिक दौरा किया। इस अवसर पर डॉ. वनीत जिष्टु, प्रमुख विस्तार, ने छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया, जिसमें उन्होंने छात्रों को संस्थान के बारे में बताने के साथ-साथ योग का महत्व, 'योग संगम' और 'हरित योग' की अवधारणाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार योग केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली को अपनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। 'हरित योग' की अवधारणा विशेष रूप से इस बात पर केंद्रित है कि व्यक्ति योग के माध्यम से प्रकृति से जुड़ाव महसूस करे और अपने जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपनाए।

इसके अतिरिक्त, डॉ. जोगिंद्र सिंह चौहान ने छात्रों को प्रोद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र (टीडीसी) का दौरा करवाया, जहाँ उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित नवीनतम तकनीकों और शोध परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाए जा सकने वाले ठोस कदमों पर बल देते हुए, छात्रों को प्लास्टिक के स्थान पर लेन्टाना या बांस जैसे जैविक व सतत संसाधनों से बने उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 'मिशन

लाइफ' (Lifestyle for Environment) अभियान की भी चर्चा की, जो आम लोगों को पर्यावरण-संवेदनशील जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। छात्रों ने वानिकी में वन संसाधनों के संरक्षण, जैव विविधता, स्थायी वानिकी प्रबंधन, और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के तरीकों से जुड़ी जिज्ञासाएँ व्यक्त कीं। डॉ. जिष्टु, प्रमुख विस्तार, और डॉ. चौहान ने छात्रों के वानिकी विषय से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का विस्तारपूर्वक और व्यावहारिक रूप से उत्तर दिए। साथ में आए सहयोगी प्रोफ़ेसर ने छात्रों व छात्राओं को दौरे के दौरान दी गई जानकारी के लिए धन्यवाद दिया।




